हिंदी विवि में आयोजित 7वां अंतरराष्ट्रीय लेखक महोत्सव

कवि सम्मेलन और विचार गोष्ठी के साथ सम्मेलन का समापन

वर्धा, 27 नवम्बर 2011: वर्धा स्थित महात्मा् गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविविद्यालय के डायस्पोरा अध्यायन विभाग, इंडिया इंटर–कॉन्टिनेंटल कल्चरल एसोसिएशन, चंडीगढ़ व श्रुति द स्कूल ऑफ म्यूजिक, गुवाहाटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय (26–27 नवंबर) 7वें अंतरराष्ट्रीय लेखक महोत्सव के दुसरे और अंतिम दिन बहुभाषी कवि सम्मेलन तथा विचार गोष्ठी में देश विदेश से आए कवि और साहित्यकारों ने सहभागिता की। रविवार को आयोजित सत्र मे विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. अनिल के. राय अंकित की अध्यक्षता में विभिन्न भाषाओं क`लेखकों ने अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर भुवनेश्वर, उडीसा के एस. पी. मलिक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के नाटयकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के अश्विनी कुमार सिंह, विक्रमानंदन, उडीसा आदि ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रो. अनिल के. राय अंकित ने कहा कि देश और विदेशों से आए प्रतिनिधि तथा विद्वान लेखकों के लिए अपनी भाषा और कला संस्कृति के आदान–प्रदान की दृष्टि से विवि का यह आयोजन समस्त साहित्य जगत और विभिन्न भाषा भाषी लोगों के लिए एक नया मंच प्रदान कर रहा है। इस आयोजन के पीछे विवि का जो हेतु रहा है वह अत्यंत सफल रहा है। इस आयोजन के लिए विवि को चुने जाने के लिए उन्होंने इंडिया इंटर–कॉन्टिनेंटल कल्चरल एसोसिएशन, चंडीगढ के निदेशक देव भारद्वाज और श्रुति द स्कूल ऑफ म्यूजिक की निदेशक परिणिता गोस्वामी, गुवाहाटी को धन्यवाद दिया।

लेखक महोत्सव के समापान के पूर्व बहुभाषी कवि सम्मेलन में प्रतिभागी लेखक और कवियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस कवि सम्मेलन में हिरामन लांजे, कल्पना, प्रिया अग्रवाल, शुक्ला भटटाचार्य, सोनिया सिंह, एस. डी. मलिक, उडिसा, स्नेहसुधा कुलकणी, पुणे, विजय राय, शीलादित्य सिंह, नागपुर तथा अन्य कवियों ने कविताएं प्रस्तुत की। कवि सम्मेलन का संचालन जाने माने कवि तथा साहित्यकार देवमणि पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर लेखिका अनिता ठक्कर, मुंबई, विवि के डायस्पोरा अध्ययन विभाग के डॉ. राजीव रंजन राय, साहित्य विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर डॉ. रामानुज अस्थाना मंचासीन थे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अतिथि लेखक से. रा. यात्री, राजकिशोर, नाटयकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. रवि चतुर्वेदी, अखिलेश दीक्षित, सहायक प्रो. रयाज हसन, डॉ. के. के. सिंह, सहायक प्रोफेसर सर्वश्री वीरेन्द्र यादव, निशीथ राय, अमरेन्द्र शर्मा, डॉ. वीर पाल यादव, डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, अर्चना भालकर, संदीप वर्मा आदि सहित पत्रकार राजेन्द्र मुंढे, शोधार्थी तथा विद्यार्थी बडी संख्या में उपस्थित थे।

दो दिन चले इस समारोह में आस्ट्रेलिया से एंडी जैकसन, एमेश डेनिस (नाइजेरिया), डिंको (क्रोएशिया), यिवुला लोएनोउ पस्तामलिडोव (साइप्रस) डॉ. ए. एस. कुशवाह, अमेया विक्रम नंदन भुयान, अनिता विजय ठक्कमर, भूपेन महापात्रा, देवमणी पाण्डेय, डॉ. हरिचंद्र बोरकर, प्रो. जी. ए. घनश्या म, हिरामन तुलसीराम लांजे, आई.एस. तियागोम, जनार्दन पठानीया, डॉ.जयंत कार शर्मा, कुंति, मो खजामोइनुद्दीन, एम. आर. अरूणा कुमारी, नागो गोविंद थुटे, के.एल. सत्य वती, प्रिया अग्रवाल, प्रो. नीर शबनम कुमारी, पी. एल. श्रीधरन परोकोड, फिलिपोस माइकेल, पोटलुरू सुब्रमण्य म, प्रिया अग्रवाल, प्रो. राजगुरू संतोष पुंडलिक, डॉ.राजश्री श्रीपति, सुधीर बी. व्हालन, प्रो.एस.बी. सिंह, डॉ. शुक्ला भट्टाचार्य, डॉ.स्नेहसुधा कुलकर्णी, डॉ.त्रिप्ति त्रिपाठी, डॉ. वेमपल्ली गंगाधर, डॉ. विजय कुमार रॉय सहित भारत के विभिन्नि प्रांतों के विद्वान लेखक सम्मिलित हुए। समारोह के अंत में विवि के डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौध्द अध्ययन पीठ के कार्यकारी निदेशक डॉ. एम. एल. कासारे के द्वारा प्रमाणपत्र वितरित किये गये।

बी एस मिरगे

जनसंपर्क अधिकारी